बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

संभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में वृहस्पतिवार तिथि १५ सितम्बर १९५५ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

गत सत्र से लंबित अतारांकित प्रश्नों के उत्तर का मेज पर रखा जाना।

Laying on the table answers to unstarred questions pending from the last session.

श्री राम चरित्र सिंह—महाशय, मैं गत सप्तम (फरवरी-अप्रील, १९५५) सत्र के रुके हुए ६७९ अतारांकित प्रश्नों में से ९५ प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूँ। ५८४ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर भी सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायंगे।

अध्यक्ष—उत्तर रखे गए।

ये हैं गत सप्तम (फरवरी—अप्रिल) सत्र में पूछे गये ९५ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर। शेष प्रश्नों के उत्तर संबंधित विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

रघुनाथ प्रसाद,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

सामूहिक विकास योजना के अन्तर्गत बने हुए कुएं।

१४८। श्री जगन्नाथ प्रसाद 'स्वतंत्र'—क्या मुख्य-मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) चम्पारण जिला के शिकारपुर थाना में चलने वाले सामूहिक विकास योजना के अन्तर्गत कितने स्थानों में नये कुएं बने हैं, उन ग्रामों का नाम क्या है, तथा प्रत्येक कुएं में कितने रुपये व्यय किये गये हैं;

(ख) शिकारपुर विकास योजना के अन्तर्गत कितने स्थानों में सड़क, पईन, बांध एवं स्कूल बने हैं, उन ग्रामों का नाम क्या है तथा प्रत्येक योजना में कितने रुपये व्यय हुए हैं?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) १९५४-५५ में ७३ कुओं का निर्माण आरंभ हुआ जिनमें ३१ कुएं बन कर तैयार हो चुके हैं, शेष में काम लगा हुआ है। विवरण में प्रत्येक कुएं के मद में खर्च हुए रुपये, गांवों के नाम, इत्यादि अंकित हैं जो मेज पर रखा है।

(ख) विवरण मेज पर रखा है।

श्री रामचरित्र सिंह—अगर हमलोगों के साथ समझौता कर लेते तो हमलोग भुगतान कर देते लेकिन समझौता हमलोगों के साथ नहीं किया। इसलिये मुआविजा लैंड ऐक्वीजिशन डिपार्टमेंट से मिलेगा।

श्री महावीर राउत—जमीन का तो मिलेगा, लेकिन फसल का क्या होगा ?

श्री रामचरित्र सिंह—जमीन का भी और फसल जो नुकसान हुई उसका भी मिलेगा।

CONSTRUCTION OF SLUICE GATES.

*170. **Shri YOGESHWAR GHOSH** : Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that the preliminary investigations of the river Bihul in P.-S. Laukaha, district Darbhanga are in progress for last three years and several officers of this Department have visited the said river, if so, the number of officers, the number of visits made by them and the nature of reports submitted by them on each occasion ;

(2) total number of acreage proposed to be irrigated by this river and the total expenditure to be incurred on that account ;

(3) the duration of time during which the investigations will mature into actual construction of sluice gates ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : (1) The hon'ble member is referred to the reply given to him to his question no. S-250 asked in the last session of the Assembly. Further developments after the last answer was given, are as follows :—

A report consisting of longitudinal section, cross section, contour, plan, etc., was received susbsequently from the S. E. Tirhut—Waterways Circle in May, 1955. This report was based on field survey carried out on the spot. The Chief Engineer, Irrigation (North) has gone through this report and has ordered the S. E. and E. E. concerned to submit the detailed project. The same is being awaited.

(2) The commanded area has been reported to be of the order of 5,600 acres and the irrigable area to be about, 2,250 acres. The area which will be irrigated will, however, depend on the availability of water in the rive itself, as only a diversion weir has been propcsed by the local officers and no storage is contemplated.

SPEAKER : And the total expenditure to be incurred on that account ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : That will be known when the details are worked out.

SPEAKER : What about the rough estimate ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : That will also be known when the details are known which are being worked out.

(3) Framing of irrigation schemes takes considerable time, because a good deal of investigation is involved. Besides, collection of hydrological data for a considerable period is also necessary to ensure that the scheme is worth undertaking. The local officers have already been asked to submit a detailed report and it is hoped that the same will be submitted at an early date.

तड़ारी थाने में जाली सट्टा ।

*†१७१। श्री राधा मोहन राय—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद ज़िला अन्तर्गत तड़ारी थाना के सिकरहटा कलां के किसानों ने नहर विभाग के अधिकारियों के पास यह दरखास्त दी है कि उनलोगों के ऊपर बिना खेत पटाये रेट लगा है ;

(२) क्या यह बात सही है कि उनलोगों ने यह भी लिखा है कि सट्टेदार ने अपने मन से जाली सट्टा दिया है तथा जिसके पास ज़मीन भी नहीं है उसके ऊपर भी रेट लगाया गया है ;

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो जाली सट्टा क्यों मंजूर किया गया तथा उन किसानों के दरखास्तों पर कौन-सी कार्रवाई की गयी ?

श्री राम चरित्र सिंह—(१) उत्तर 'ना' है । नापी के समय किसानों ने खेत नहीं पटने की कोई शिकायत नहीं की तथा पूरा हल्का महर के पानी से अच्छी तरह पटा था ।

(२) उत्तर 'ना' है । इस संबंध में कोई आपत्ति-आवेदन-पत्र नहीं प्राप्त हुआ है और किसी व्यक्ति ने ऐसी गड़बड़ी नहीं साबित की ।

(३) उपर्युक्त खंडों के उत्तर को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता ।

नोनार पुल में रेगुलेटर ।

*†१७२। श्री राधा मोहन राय—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि शाहाबाद जिला के पीरो थाना अन्तर्गत ग्राम नोनार के लोग कई वर्षों से सरकार के पास आवेदन-पत्र देते आ रहे हैं कि बिहिया लाईन के ९ मील १८ जरीब तथा ९ मील ४३ जरीब के दोनों नाले महर के पानी की सतह से ऊँचे पड़ते हैं जिससे हर साल पानी मिलने में दिक्कत होती है ;

---

*सदस्य की अनुपस्थिति में श्री रामानन्द तिवारी के अनुरोध पर उत्तर दिया गया ।